

फुकेट-दिल्ली फ्लाइट हादसे के बाद फैसला एअर इंडिया पायलट्स का अब रोज होगा ड्रग टेस्ट

नई दिल्ली। एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस के सभी पायलटों की अब रोज जांच होगी कि उन्होंने प्रतिबंधित दवाओं या नशीले पदार्थों का नशा तो नहीं किया है। यह टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया है। दोनों एयरलाइंस में 5 हजार से ज्यादा पायलट हैं। पिछले हफ्ते फुकेट-दिल्ली फ्लाइट के एक पायलट का ड्रग टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद यह फैसला लिया गया। दरअसल, इस फ्लाइट के भुवनेश्वर से गुजरते समय अचानक टर्बुलेंस जैसे हालात बने और यह करीब 300 फीट नीचे आ गई थी। जिससे यात्रियों और क्रू मेंबर्स को चोटें आई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस घटना के बाद पायलट (कैप्टन) के दो ड्रग्स टेस्ट हुए थे। दोनों टेस्ट पॉजिटिव थे। दूसरे में गांजा पीने की पुष्टि हुई थी।

चेयरमैन की रेस में टाटा स्टील के एमडी सबसे आगे टाटा संस में चंद्रशेखरन की जगह लेंगे नरेंद्रन!

मुंबई (एजेंसी)। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के अचानक इस्तीफे के बाद नए उत्तराधिकारी की तलाश शुरू हो गई है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट ने गुरुवार को एक प्रस्ताव पास कर 5 सदस्यीय सिलेक्शन कमेटी गठित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पद की रेस में टाटा स्टील के मैनेजिंग डायरेक्टर टीवी नरेंद्रन का नाम सबसे आगे है। नरेंद्रन 1988 से टाटा ग्रुप से जुड़े हुए हैं। उनका पूरा करियर टाटा स्टील में ही रहा है। चंद्रशेखरन फरवरी 2027 तक टाटा संस के चेयरमैन पद पर बने रहेंगे। टाटा संस के पास नया प्रमुख को चुनने और उनके स्मूथ ट्रांजिक्शन की योजना बनाने के लिए लगभग 6 महीने का वक़्त है।

कैबिनेट की बैठक में 8 प्रस्तावों पर लगी मुहर कॉलोनियों में खुलेंगे नर्सिंग होम कोचिंग सेंटरों का पंजीकरण जरूरी

हरिभूमि ब्यूरो >>> वंडीगढ़

हरियाणा सीएम नायब सैनी की अध्यक्षता में गुरुवार को कैबिनेट मीटिंग हुई। इसमें 8 प्रमुख प्रस्तावों पर चर्चा हुई। इसमें विधानसभा के मानसून सत्र पर भी फैसला लिया गया। 27 अगस्त से मानसून सत्र शुरू होगा, जो तीन दिन तक चलेगा। मीटिंग में वॉटर सिवियर हरियाणा प्रोग्राम, लाइसेंस प्राप्त आवासीय कॉलोनियों में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने के उद्देश्य से नई पॉलिसी, बिजली निगम और कैपेक्स लोन के लिए 7,570 करोड़ की राज्य गारंटी, स्टार्टअप के लिए नए प्रावधान और शहरी क्षेत्रों से जुड़े नियमों में बदलाव पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्वीकृत ढांचे के तहत प्रत्येक मौजूदा निजी कोचिंग संस्थान के साथ-साथ नया कोचिंग सेंटर खोलने की इच्छा रखने वाले किसी भी संस्थान को नामित पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण के लिए आवेदन करना होगा। पंजीकरण के लिए 10,000 रुपये निर्धारित किया गया है, जो इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से देय होगा। संबंधित प्राधिकरण 30 दिनों के भीतर आवेदनों की जांच करेगा और आवेदन सभी प्रकार से पूर्ण पाए जाने पर, तीन साल के लिए वैध पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी करेगा।

मानसून सत्र 27 से, तीन दिन चलेगा

हरियाणा निजी कोचिंग संस्थानों के लिए नई पॉलिसी राज्य में बिना मानक और मनमाने ढंग से चल रहे कोचिंग सेंटरों को नियंत्रण में लाने के लिए सरकार 'हरियाणा निजी कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण और विनियमन नियम' के प्रारूप को मंजूरी दी है। इसके तहत कोचिंग सेंटरों को पंजीकरण करना होगा। यह तीन साल के लिए मान्य होगा।

रिहायशी कॉलोनियों में खुलेंगे नर्सिंग होम लाइसेंस प्राप्त आवासीय कॉलोनियों में नर्सिंग होम स्थापित करने की नीति में संशोधन को मंजूरी प्रदान की है। अब योग्य डॉक्टरों को स्वामित्व वाले आवासीय प्लॉट के साथ-साथ लॉज पर लिए गए आवासीय प्लॉट पर भी नर्सिंग होम स्थापित करने की अनुमति दी जाएगी। निर्धारित क्वॉर्टरन शुरू का भुगतान करना होगा। एलोपैथिक/आयुष पद्धति के डॉक्टरों के आवासीय प्लॉट पर नर्सिंग होम स्थापित करने की अनुमति दी जाएगी। डॉक्टरों के पास मेडिकल काउंसिल/आयुष काउंसिल का पंजीकरण नंबर होना आवश्यक होगा।

स्टार्टअप के लिए नए प्रावधान मौजूदा हरियाणा राज्य स्टार्टअप नीति 2022 में व्यापक पुर्न प्रावधान को मंजूरी दी गई। महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप को एक वर्ष के लिए लॉज के किराए में 50 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी, जो अधिकतम 10 लाख रुपये तक होगी।

2020 का फिजियोथेरेपी परिषद अधिनियम निरस्त मंत्रिमंडल की बैठक में नेशनल कमीशन फॉर अलाइड एण्ड हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स एक्ट, 2021 के प्रावधानों के मद्देनजर हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर फिजियोथेरेपी एक्ट, 2020 को निरस्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। फिजियोथेरेपी व्यवसाय को एन. सी. ए. एच. पी. एक्ट, 2021 की अनुसूची में स्पष्ट रूप से शामिल किया गया है।

शहरी क्षेत्रों से जुड़े नियमों में बदलाव कैबिनेट बैठक में विधानसभा की अधीनस्थ विधान समिति (2016-17) की 45वीं रिपोर्ट की सिफारिशों के अनुसार 'हरियाणा शहरी क्षेत्र विकास और विनियमन नियम, 1976' में संशोधनों को मंजूरी दी गई।

गुरुग्राम में मास्टर्स यूनिवर्सिटी कैबिनेट बैठक में हरियाणा प्राइवेट यूनिवर्सिटीज एक्ट, 2006 में संशोधन करके गुरुग्राम में मास्टर्स यूनिवर्सिटी स्थापित करने के लिए 'हरियाणा प्राइवेट यूनिवर्सिटीज (संशोधन) बिल, 2026' लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। प्रस्तावित यूनिवर्सिटी की स्थापना शांति फाउंडेशन ट्रस्ट, गुरुग्राम द्वारा की जाएगी, जो शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाला एक चैरिटेबल, गैर-राजनीतिक, गैर-लाभकारी और धर्म-निरपेक्ष ट्रस्ट है। यूनिवर्सिटी को लगभग 5.14 एकड़ की जुड़ी हुई जमीन पर स्थापित करने का प्रस्ताव है।

5,714 करोड़ का 'वॉटर सिवियर हरियाणा' प्रोजेक्ट जल प्रबंधन को मजबूत करने के लिए 'वॉटर सिवियर हरियाणा प्रोग्राम' को लागू करने का पप्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसकी अनुमानित लागत 5,714.80 करोड़ है, जिसमें विश्व बैंक का ऋण 4,000.36 करोड़ तथा राज्य का हिस्सा 1,714.44 करोड़ रहेगा।

कैपेक्स लोन के लिए 7,570 करोड़ की राज्य गारंटी पंजाब नेशनल बैंक से 1,200 करोड़ के नए कैपेक्स टर्म लोन के लिए राज्य सरकार द्वारा गारंटी देने का प्रस्ताव। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम वर्किंग कैपिटल और कैपेक्स लोन के लिए विभिन्न बैंकों को दी गई 6,370.19 करोड़ की राज्य सरकार गारंटी का पूर्वव्यापी अनुमोदन।

पिटबुल का कपल पर हमला, बाजू, जांघ और कूल्हा चबाया, पति की पीठ नोचो पटियाला। मकान देखने पहुंचे कपल पर घर में पल रहे कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ता पिटबुल नस्ल का था, जिसने सीधे महिला का पैर पकड़ा। जब महिला के पति ने उसे बचाने की कोशिश की तो कुत्ते ने व्यक्ति को पीठ चबा ली। व्यक्ति चिल्लाया तो कुत्ता उससे छूटकर फिर से महिला से चिपक गया और उसकी बाजू मुंह में दबा ली। उन दोनों की चीखें सुनकर करीब 5 से 6 लोग डंडे लेकर मौके पर पहुंचे। उन सभी ने कुत्ते के करीब 40 से 50 डंडे मारे। इसके बाद कुत्ता दंपति को छोड़कर वापस घर में घुस गया। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। घायल अवस्था में दंपति को अस्पताल पहुंचाया गया।

कब्ज के लिए, कायम चूर्ण का विश्वास अब नए 200 ग्राम फैमिली पैक में

200 ग्राम मात्र ₹180

- लंबे समय तक चले
- सही मात्रा के लिए चम्मच
- चौड़े मुंह वाली बोतल
- अधिक बचत वाला पैक

मेडिकल शॉप, आयुर्वेदिक स्टोर और मुख्य ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध

टोल फ्री नंबर : 1800 419 0807

contact@kayamchurna.com

Buy Online : www.shethbrothersstore.com

SCAN TO BUY

भारत की भरोसेमंद विरासत. जिसे हम निभाएँ जिम्मेदारी से.

एक रिस्पॉन्सिबल ज्वेलर होने का मतलब सिर्फ आपूर्णों तक सीमित नहीं, बल्कि उससे आगे जाकर सकारात्मक बदलाव लाने की जिम्मेदारी निभाना है। The Malabar Promise इसी प्रतिबद्धता को विश्वसनीय गुणवत्ता, बेहतर मूल्य और पूरी पारदर्शिता के साथ दर्शाता है।

बेहतर मूल्य, बिना किसी समझौते के

5 देशों में 15 मैन्युफैक्चरिंग यूनिटें, 5,000 से अधिक कुशल कारीगर, उत्कृष्ट कारीगरी, उचित मेकिंग चार्ज के साथ

गोल्ड क्वालिटी जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं

LBMA मानकों के अनुरूप जिम्मेदारी से प्राप्त सोना, BIS हॉलमार्किंग और HUID सर्टिफिकेशन के साथ –विश्वसनीय शुद्धता और उच्च गुणवत्ता की सुनिश्चितता।

डायमंड्स जिन्हें मिला है भरोसे का आधार

100% नेचुरल डायमंड्स, 28 कड़े गुणवत्ता परीक्षणों से परखे गए और प्रामाणिकता प्रमाणपत्र के साथ। विश्वसनीय गुणवत्ता, उत्कृष्ट मूल्य और उचित कीमत की सुनिश्चितता।

हर जानकारी में पारदर्शिता

कोई हिमा हुआ शुल्क नहीं. हर इनवॉइस में सोने, स्टोन्स, enamel वर्क और मेकिंग चार्जों की कीमत स्पष्ट रूप से दी जाती है।

हर मौके के लिए ज्वेलरी के अधिक विकल्प

16 ग्लोबल डिजाइन स्टूडियो, 25,000 से अधिक खास डिजाइन और हर 15 दिनों में 2,500 नए डिजाइन – हर खास मौके के लिए आपकी पसंद के ढेरों विकल्प।

आपके पुराने सोने के लिए सर्वोत्तम मूल्य

पुराना सोना बदलें या बेचें – वैज्ञानिक मूल्यांकन के साथ। किसी भी ज्वेलर का पुराना सोना स्वीकार, एक्सचेंज पर 0% कटौती और उसी दिन नकद भुगतान।

आपकी खरीदारी की सुरक्षा

सोने की कीमत की सुरक्षा, 1 वर्ष का बीमा और लाइफटाइम मेंटेनेंस – 14 देशों में 450 से अधिक शोरूम में।

ज्वेलरी से आगे जाकर जिम्मेदारी निभाते हुए

हर वर्ष, हमारे लान का एक निश्चित प्रतिशत हेल्थकेयर, शिक्षा, पर्यावरण के संरक्षण और सामुदायिक विकास के कार्यक्रमों के लिए समर्पित किया जाता है,

* T & C Apply. Visit nearest Malabar Gold & Diamonds showroom for more details.

Call: 09962 918 918 | BUY ONLINE AT: malabargoldanddiamonds.com | OVER 450 SHOWROOMS ACROSS 14 COUNTRIES Watch our latest campaign here

बजरंग भवन के पास, दिल्ली रोड, रोहतक । दिल्ली रोड, कैप चौक, हिसार । कालका चौक, अंबाला शहर

बस 2 मिनट में डिजिटल रुप से केवाईसी अपडेट करें

शाखा जाने की कोई आवश्यकता नहीं

अपनी सी-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करने के लिए नीचे दिए गए विकल्पों में से कोई एक चुनें

https://sbi.bank.in पर जाएँ और पर्सनल मेन्यू में 'UPDATE KYC' चुनें।

या

WhatsApp पर +91 90226 90226 पर 'KYC' भेजें।

या

केवाईसी अपडेट करने के लिए 18001234>1>5 पर कॉल करें।

या

अपने निकटतम एसबीआई एटीएम में जाएं। सर्विसेज केवाईसी अपडेट पर जाएं।

यह सुविधा सभी वयस्क भारतीय निवासी ग्राहकों के लिए लागू है।

हमें फॉलो करें

ग्राहकों की सेवा में मस्कान के साथ

असम-अरुणाचल सीमा पर झड़प के बाद पुलिस ने की हवाई फायरिंग

टीएमपीके ने अरुणाचल प्रदेश की आर्थिक नाकेबंदी अस्थायी रूप से हटाई

एजेसी ►►उत्तर लखीमपुर (असम)

अरुणाचल प्रदेश की सीमा से सटे असम के धेमाजी जिले में बृहस्पतिवार को दोनों राज्यों के प्रदर्शनकारियों के बीच फिर से झड़प हुई। भीड़ को काबू करने के लिए पड़ोसी राज्य अरुणाचल प्रदेश की पुलिस ने हवा में गोलियां चलाई। असम में अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकेबंदी का दूसरा दिन है। राज्य के मिसिंग समुदाय के शीर्ष छात्र संगठन 'तकाम मिसिंग पोरिन केबांग' (टीएमपीके) और अन्य स्थानीय समूहों ने बुधवार को अरुणाचल के खिलाफ अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकेबंदी शुरू की थी। कथित गोलीबारी में असम के जातीय मूल के 12 लोगों के घायल होने के बाद यह नाकेबंदी की गई। एक अधिकारी ने बताया कि नाकेबंदी जारी रहने के दौरान अरुणाचल प्रदेश के कुछ लोगों ने असम के प्रदर्शनकारियों पर पत्थर फेंके जिससे कुछ लोगों को मामूली चोटें आईं।

सीमा पर फिर तनाव बढ़ गया है। प्रदर्शनकारियों ने सड़कें जाम कर दीं। सड़क बंद होने से दोनों प्रदेशों में वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई

सीएम हिमंत ने की शांति की अपील

गुवाहाटी (भाषा)। असम-अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर एक और झड़प की सूचना के बाद मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी सीमा लोगों के दिलों को नहीं बांट सकती जो पीढ़ियों से भाई-बहन की तरह साथ रह रहे हैं। असम सरकार ने आश्वासन दिया है कि वह अरुणाचल प्रदेश के साथ सीमा विवादों को जल्द से जल्द स्थायी रूप से सुलझाने के लिए जरूरी कदम उठाएंगी। असम सरकार ने यह भी कहा कि राज्य में आने वाले किसी भी समूह या व्यक्ति को वहां के कानूनों का पालन करना होगा।

एलन में अगले सप्ताह शुरू हो रहे नीट-रिपीटर्स बैच



कोटा। नीट-यूजी रिजल्ट्स के बाद काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। च्वाइस फिलिंग के बाद अब अलॉटमेंट शुरू होने जा रहे हैं। इसके साथ ही एक बार फिर कोटा में बड़ी संख्या में नीट रिपीटर्स स्टूडेंट्स नीट-यूजी 2027 की तैयारी के लिए लौटने लगे हैं।एलन कोटा के प्रेसीडेंट विनोद कुमावत ने बताया कि एलन कैरियर इंस्टीट्यूट द्वारा नीट-यूजी की तैयारी के लिए लीडर, अचीवर व अल्फा अचीवर बैचेज की घोषणा की गई है। अलग-अलग

रिलायंस डिजिटल लेकर आया डिजिटल इंडिया क्रेजी ऑफर

मुंबई। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर रिलायंस डिजिटल ने अपने जानेमाने 'डिजिटल इंडिया सेल' को डिजिटल इंडिया क्रेजी ऑफर के एक नए रूप में लॉन्च किया है। रिलायंस डिजिटल स्टोर्स, RelianceDigital.in और माय जिओ स्टोर्स में 16 अगस्त तक चलने वाली इस सेल में स्मार्टफोन्स, टीवी, लैपटॉप्स और होम अप्लायंसेज पर बेहद आकर्षक ऑफर्स उपलब्ध हैं।

कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और अप्लायंसेज पर सीजन की कुछ सबसे बेहतरीन डीलस पेश करने के साथ ही, इसमें पुराने प्रोडक्ट्स पर शानदार एक्सचेंज वैल्यू, चुनिंदा इलेक्ट्रॉनिक्स पर ₹10,000 तक का एक्सचेंज बोनस, दूसरा प्रोडक्ट

सोने में तेजी का सिलसिला थमा, 2,800 रुपये टूटा नई दिल्ली (भाषा)। सोने में सात दिन से जारी तेजी का दौर बृहस्पतिवार को थम गया। वैश्विक बाजार में कमजोरी के रूख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 2,800 रुपये टूटकर 1,57,000 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार को 1,59,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी में भी भारी गिरावट देखी गई और इसकी कीमत 6,000 रुपये फिसलकर 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई। इससे पहले के सत्र में चांदी की कीमत 2,46,000 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

शेयर बाजार : सेंसेक्स हरे निशान पर हुआ बंद, निफ्टी थोड़ा फिसला

मुंबई(एजेंसी)। शेयर बाजार में आज सेंसेक्स और निफ्टी दोनों मामूली बदलाव के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 113 अंक की बढ़त के साथ गुरुवार को 78,079.96 अंकों के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 40 अंक टूटकर 24,395.85 अंकों के स्तर पर बंद हुआ। मिडकैप शेयरों में भी उतार-चढ़ाव दिखा। निफ्टी मिडकैप 50 मार्केट बंद होने

तक 40 अंकों की बढ़त के साथ 18,396.35 अंक पर बंद हुआ। टॉप गेनर्स में एस्ट्रल लिमिटेड, सोलर इंडस्ट्रीज और कंटेनर कॉर्प ने क्रमशः 8.74 फीसदी, 8.51 फीसदी और 4.22 फीसदी की बढ़त के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। एपीएल अपोलो और रेंडिको खेतान के शेयरों में क्रमशः 3.36 और 3.14 फीसदी की बढ़त दर्ज हुई।

5.4 करोड़ की मेथामफेटामाइन जब्त

तस्करी में दो नाइजीरियाई महिलाएं गिरफ्तार

बेटर नोएडा। मुंबई एटीएस और बेटर नोएडा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में जांच एजेंसियों ने बेटर नोएडा के कासना थाना क्षेत्र के ओमिकॉन सेक्टर स्थित एक फ्लैट से दो नाइजीरियाई महिलाओं को गिरफ्तार किया है। दोनों के कब्जे से करीब 2,688 ग्राम मेथामफेटामाइन और ड्रग तैयार करने में इस्तेमाल होने वाला रॉ मैटेरियल बरामद किया गया है। बरामद मेथामफेटामाइन की अनुमानित कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 5.40 करोड़ बताई जा रही है। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान 32 वर्षीय डेबायो अबोसेडे ओमोवुमी और 33 वर्षीय एंजल ओसास जुलिवट के रूप में हुई है। दोनों महिलाएं करीब दो महीने से ओमिकॉन सेक्टर के एक फ्लैट में रह रही थीं।

'कर्नाटक बंद' का मिला-जुला असर

बेंगलुरु (भाषा)। तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का 12,000 क्यूसेक पानी छोड़े जाने के विरोध में कब्जड़ समर्थक कार्यकर्ता वी नागराज की ओर से आहुत 'कर्नाटक बंद' का मिला-जुला असर देखने को मिला। जहां मौड़्या में जखरदस्त विरोध-प्रदर्शन हुए और कई जगहों पर एहतियातन लोगों को हिरासत में लिया गया। वहीं, बेंगलुरु और मैसूर जैसे बड़े शहरी इलाकों में जनजीवन सामान्य रहा, क्योंकि जिन संगठनों ने शुरू में बंद का समर्थन किया था, उन्होंने बाद में अपने कदम पीछे खींच लिए। कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) और कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) ने तमिलनाडु को 12,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया है।



15 अगस्त, 2026

स्वतंत्रता दिवस सन्देश

श्री नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री, हरियाणा

का प्रदेशवासियों के नाम संदेश

14 अगस्त, 2026 को रात्रि 9:15 बजे आकाशवाणी रोहतक, कुरुक्षेत्र और हिसार केन्द्रों से प्रसारण होगा

डी.डी. हरियाणा, हिसार पर 15 अगस्त, 2026 को प्रातः 9:00 बजे प्रसारण होगा

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा



www.prharyana.gov.in | Follow us on

@diapharyana



संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

14 अगस्त, 2026

मानवता की सबसे दुखद घटनाओं में से एक का स्मरण करने और विभाजन के दौरान हुए क्रूर और निर्मम हिंसा के शिकार हुए पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने का दिन।

“विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें यह स्मरण करवाता है कि देश को एकजुट रखने वाले सद्भाव के बंधनों को सशक्त बनाना हमारा निरंतर उत्तरदायित्व है।”

-नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री





14 अगस्त, 2026 को विभाजन के पीड़ितों के सम्मान में विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम

समय: दोपहर 3:00 बजे से	समय: सायं 5:00 बजे से	समय: सायं 4:30 बजे
जगह: गोल्डन जुबली ऑडिटोरियम, जीएनडीयू, अमृतसर, पंजाब	जगह: सेंट्रल पार्क, कर्नाट प्लेस, नई दिल्ली	जगह: न्यू टाउन कन्वेंशन सेंटर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल



इस दिन, आइए हम एकता के प्रति अपने संकल्प को मज़बूत करें और आने वाली पीढ़ी को शांति, करुणा और सामाजिक सद्भाव के मूल्यों से प्रेरित करें।

आईए, देशव्यापी श्रद्धांजलि सभाओं में भाग लें।



कैंडललाइट मार्च



विभाजन की थीम पर नाटक



विभाजन पर प्रदर्शनियां



शैक्षिक सेमिनार

अधिक जानकारी के लिये देखें: amritkaalnic.in | QR को स्कैन करें:



CBC 09101/13/0018/2627

चिंतन असहमति सही, लेकिन न हो विद्वानों का अपमान

लोकतंत्र में असहमति का अधिकार जितना अहम है, असहमति व्यक्त करने की भाषा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। संसद जैसे मंच पर नेताओं के शब्द केवल सदन की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे पूरे समाज के सार्वजनिक संवाद का स्तर तय करते हैं। ऐसे में किसी वैज्ञानिक या शिक्षाविद् की आलोचना करते समय शब्दों की मर्यादा का ध्यान रखना आवश्यक है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी द्वारा आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि के संदर्भ में ‘गोमूत्र विशेषज्ञ’ वाली टिप्पणी पर उठे विवाद को इसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। प्रियंका को कामकोटि के गोमूत्र संबंधी विचारों से असहमति हो सकती है। उनके दावों पर वैज्ञानिक सवाल भी उठाए जा सकते हैं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण यही कहता है कि किसी भी दावे को प्रमाण, शोध और स्वतंत्र परीक्षण की कसौटी पर परखा जाए। यदि कोई दावा वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित नहीं है तो उसे स्वीकार करने का कोई कारण नहीं है, लेकिन किसी व्यक्ति के पूरे अकादमिक व्यक्तित्व को एक टिप्पणी या विवादित दावे के आधार पर परिभाषित कर देना भी उचित नहीं कहा जा सकता। यदि कामकोटि के गोमूत्र संबंधी दावे गलत हैं तो उनका सबसे प्रभावी उत्तर यही होगा कि वैज्ञानिक समुदाय उनके दावों की समीक्षा करे, उपलब्ध शोध की सीमाएं बताए और तथ्य जनता के सामने रखे। विचारों में असहमति हो सकती है, लेकिन विद्वानों का अपमान किया जाना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। इस विवाद के बाद 38 से अधिक देशों में यह रहे भारतीय वैज्ञानिकों सहित 14,000 लोगों का ऑनलाइन अभियान से जुड़ना भी एक संदेश देता है। इससे पहले 215 मौजूदा और पूर्व कुलपतियों तथा शिक्षाविदों द्वारा आपत्ति जताना इस बात की ओर संकेत है कि अकादमिक समुदाय अपने सदस्यों की सार्वजनिक गरिमा को लेकर गंभीर है। हालांकि ऑनलाइन समर्थन की संख्या अपने आप में किसी पक्ष को सही साबित नहीं करती। न ही किसी वैज्ञानिक को प्रतिष्ठा उसके हर विचार को स्वतः सही बना देती है। लेकिन यह जरूर बताती है कि सार्वजनिक जीवन में भाषा और मर्यादा का प्रश्न अब केवल राजनीतिक विवाद नहीं रहा। यहां एक और महत्वपूर्ण बात है। विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के प्रमुख सार्वजनिक पदों पर होते हैं, इसलिए उनके विचारों और कार्यों की कठोर जांच होनी चाहिए। सवाल यह होना चाहिए कि उन्होंने क्या कहा, किस आधार पर कहा और उसके समर्थन में क्या प्रमाण हैं। सवाल यह नहीं होना चाहिए कि व्यक्ति का मजाक कैसे बनाया जाए। संसद में बैठे जनप्रतिनिधियों से समाज को इसी परिपक्वता की अपेक्षा होती है। राजनीतिक विरोधियों पर तीखी टिप्पणी करना लोकतांत्रिक राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन किसी शिक्षाविद् या वैज्ञानिक की प्रतिष्ठा पर व्यक्तिगत कटाक्ष स्वस्थ परंपरा नहीं हो सकती। आज जरूरत ऐसी राजनीति की है जो विज्ञान से सवाल पूछे, लेकिन विज्ञान का मजाक न बनाए, ऐसी अकादमिक दुनिया की है जो आलोचना स्वीकार करे, लेकिन तथ्यों से जवाब दे और ऐसे सार्वजनिक संवाद की है, जिसमें असहमति तल्ल हो सकती है, मगर भाषा गरिमाहीन नहीं। लोकतंत्र में किसी विचार को कठघरे में खड़ा करने की पूरी आजादी होनी चाहिए, लेकिन व्यक्ति की गरिमा को कठघरे में खड़ा करना लोकतांत्रिक बहस की ताकत नहीं, उसकी कमजोरी है। असहमति जितनी धारदार हो, भाषा उतनी ही जिम्मेदार होनी चाहिए। इसलिए संसद जैसे मंच पर नेताओं को सोच-समझकर और तथ्यों के साथ बात रखनी चाहिए।

समानता
 ममता कुशवाहा



क्या हर भारतीय को बराबर अवसर मिला

भारत ने 15 अगस्त 1947 को राजनीतिक गुलामी की लंबी रात से आजादी हासिल की थी। यह केवल अंग्रेजी शासन से मुक्ति नहीं थी, बल्कि एक ऐसे भारत के निर्माण का सपना भी था, जहां हर व्यक्ति को सम्मान, अधिकार और आगे बढ़ने का समान अवसर मिले। संविधान ने इसी सपने को लोकतंत्र, स्वतंत्रता, समानता और न्याय के मूल्यों के रूप में स्वीकार किया। आजादी के 79 वर्ष बाद भारत ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन एक महत्वपूर्ण सवाल आज भी हमारे सामने खड़ा है कि क्या आज हर भारतीय को वास्तव में बराबर अवसर मिल रहा है? क्या किसी बच्चे का भविष्य उसकी प्रतिभा से तय होता है या उसके परिवार की आर्थिक स्थिति, उसके गांव या शहर, उसके लिंग और उसकी सामाजिक पृष्ठभूमि से भी प्रभावित होता है? भारत की आजादी के बाद शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम माना गया। स्कूलों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ी, साक्षरता में उल्लेखनीय सुधार हुआ और शिक्षा आम लोगों तक पहले की तुलना में कहीं अधिक पहुंची। आज गरीब परिवारों के बच्चे भी डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, वैज्ञानिक, अधिकारी और उद्यमी बनने का सपना देख सकते हैं। सरकारी विद्यालयों, छात्रवृत्तियों, आरक्षण और विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं ने वंचित वर्गों के लिए अवसरों के दरवाजे खोले हैं। फिर भी शिक्षा में समान अवसर की मंजिल अभी दूर है। एक ओर ऐसे बच्चे हैं जिन्हें अच्छे निजी स्कूल, इंटरनेट, कंप्यूटर, अंग्रेजी शिक्षा और निजी कोचिंग जैसी सुविधाएं मिलती हैं, वहीं दूसरी ओर ऐसे बच्चे भी हैं जिनके पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षक, पुस्तकें, डिजिटल साधन और शांत वातावरण तक उपलब्ध नहीं है। इसलिए केवल स्कूल में दाखिला मिल जाना शिक्षा की समानता नहीं है; वास्तविक समानता तब होगी जब हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर मिले। डिजिटल युग ने शिक्षा के अवसरों को बढ़ाया भी है और नई असमानताएं भी पैदा की हैं। ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे इस डिजिटल अंतर के कारण पीछे रह सकते हैं। आज शिक्षा केवल किताब और कक्षा तक सीमित नहीं है; डिजिटल ज्ञान भी सफलता की महत्वपूर्ण सीढ़ी बन चुका है। इसलिए डिजिटल सुविधाओं तक समान पहुंच अब अवसरों की समानता का आवश्यक हिस्सा बन गई है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी भारत ने लंबी यात्रा तय की है। आज महिलाएं राजनीति, प्रशासन, सेना, विज्ञान, खेल, उद्योग, शिक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में अपनी क्षमता साबित कर रही हैं।

पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी ने लाखों महिलाओं को सार्वजनिक जीवन से जोड़ा है। बेटियों की शिक्षा के प्रति समाज की सोच में भी बदलाव आया है, लेकिन दूसरी तस्वीर अभी भी चिंता पैदा करती है। अनेक लड़कियां आज भी शिक्षा बीच में छोड़ने, बाल विवाह, घरेलू जिम्मेदारियों, सुरक्षा की चिंता और सामाजिक रूढ़ियों का सामना करती हैं। कई परिवारों में बेटे की शिक्षा को बेटी की शिक्षा से अधिक प्राथमिकता दी जाती है। महिलाओं की कार्यक्षेत्र में भागीदारी, समान वेतन, सुरक्षित वातावरण और निर्णय लेने की स्वतंत्रता के सवाल भी पूरी तरह हल नहीं हुए हैं। महिला सशक्तिकरण का अर्थ केवल महिलाओं को अवसर देना नहीं, बल्कि उन्हें अपनी उर्पद और निर्णय के अनुषार जीवन जीने की स्वतंत्रता देना भी है। आखिरकार आजादी का अर्थ केवल यह नहीं है कि हम अपने प्रतिनिधि चुन सकते हैं या अपनी बात कह सकते हैं। किसी लड़की का लिंग उसके अधिकारों को सीमित न करे, किसी ग्रामीण युवा का पता उसकी प्रतिभा के रास्ते में बाधा न बने और किसी व्यक्ति की सामाजिक पृष्ठभूमि उसके भविष्य का फैसला न करे। भारत ने समान अवसर की दिशा में लंबी दूरी तय की है, लेकिन मंजिल अभी बाकी है। आने वाले वर्षों में हमें ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जहां अवसर कुछ लोगों की विशेष सुविधा न होकर हर नागरिक का वास्तविक अधिकार बनें। आजादी की 79वीं वर्षगांठ पर इसलिए हमें केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि हमने तकनीकी प्रगति की है, बल्कि यह भी पूछना चाहिए कि उस प्रगति का लाभ किस तक पहुंचा है। जब भारत का सबसे गरीब बच्चा भी बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का समान अवसर पाएगा, जब गांव और शहर के बीच अवसरों की खाई कम होगी और जब बेटी और बेटे के भविष्य को समान महत्व मिलेगा, तभी हमारी राजनीतिक आजादी सामाजिक और आर्थिक समानता में बदल सकेगी। यही उस स्वतंत्र भारत की पहचान होगी, जिसका सपना हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



विभाजन विभीषिका डॉ. चंद्र त्रिखा

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

भारतीय इतिहास का एक ऐसा

पन्ना है, जिसे हर बार पलटने

पर केवल खून और आंसुओं के

निशान ही दिखाई देते हैं। यह

दिन हमें याद दिलाता है कि

राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं और

धार्मिक उन्माद ने किस तरह

एक हंसते-खेलते उपमहाद्वीप

को आग के हवाले कर दिया

था। वर्ष 1947 में 14 और 15

अगस्त की मध्‍यरात्रि को सत्ता

का हस्तांतरण हुआ और लाखों

लोग अपने ही घर में बेगाने हो

गए। इसका प्रभाव इतना

भयावह हुआ कि हम आज तक

भी विभाजन-विभीषिका से

उत्पन्न दुःख और त्रासदी से

पूरी तरह उबर नहीं पाए। इस

त्रासदी में लगभग डेढ़ करोड़

लोग अपने घरों से उजड़ गए,

जबकि प्राण खोने वालों की

संख्या को लेकर कोई एक राय

नहीं है।



संकलित दर्शन



करंट अफेयर

तालिबान ने हिरासत में लिया संरा के दो सदस्यों को

अफगानिस्तान में तालिबान शासकों ने देश में संयुक्त राष्ट्र के राजनीतिक मिशन के दो अफगान कर्मचारियों को हिरासत में लिया है। संयुक्त राष्ट्र ने यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र के उप प्रवक्ता फरहान हक ने संवाददाताओं को बताया कि तालिबान के खुफिया महानिदेशालय ने रविवार को पश्चिमी शहर हेरात में दोनों कर्मचारियों को हिरासत में लिया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र मिशन को अब तक यह नहीं बताया गया है कि दोनों व्यक्तियों पर क्या आरोप लगाए गए हैं और न ही मिशन के प्रतिनिधियों को उनसे मिलने की अनुमति दी गई है। हक ने कहा कि मिशन ने तालिबान से ‘संयुक्त राष्ट्र और उसके अधिकारियों को प्राप्त विशेषाधिकारों और छूट का पालन सुनिश्चित करने’ का आह्वान किया है। अमेरिका और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सेनाओं के दो दशक के युद्ध के बाद अफगानिस्तान से हटने के दौरान तालिबान ने 15 अगस्त 2021 को देश की सत्ता पर कब्जा कर लिया था। दोनों कर्मचारियों को ऐसे समय हिरासत में लिया गया है, जब गरीबी से जूझ रहे अफगानिस्तान में मानवीय संकट गहराता जा रहा है और तालिबान एवं पाकिस्तानी बलों के बीच सीमा पार संघर्ष की घटनाएं बढ़ गई हैं।

दर्द, त्रासदी और विरासत का स्मरण चौ

दह अगस्त यानी विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस भारतीय इतिहास का एक ऐसा पन्ना है, जिसे हर बार पलटने पर केवल खून और आंसुओं के निशान ही दिखाई देते हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं और धार्मिक उन्माद ने किस तरह एक हंसते-खेलते उपमहाद्वीप को आग के हवाले कर दिया था। वर्ष 1947 में 14 और 15 अगस्त की मध्‍यरात्रि को सत्ता का हस्तांतरण हुआ और लाखों लोग अपने ही घर में बेगाने हो गए। इसका प्रभाव इतना भयावह हुआ कि हम आज तक भी विभाजन-विभीषिका से उत्पन्न दुःख और त्रासदी से पूरी तरह उबर नहीं पाए। इस त्रासदी में लगभग डेढ़ करोड़ लोग अपने घरों से उजड़ गए, जबकि इस दौरान प्राण खोने वालों की संख्या को लेकर कोई एक राय नहीं है। हालांकि इतिहासकार मानते हैं कि यह आंकड़ा दस से पंद्रह लाख के बीच था।

इस त्रासदी की सबसे बड़ी विडंबना वह सीमा रेखा थी, जिसे सर रेडक्लिफ ने खींचा था। प्रख्यात पत्रकार कुलदीप नैयर ने जब वर्ष 1971 में लंदन में रेडक्लिफ से मुलाकात की थी तो उन्होंने कई चौकाने वाले खुलासे किए थे। रेडक्लिफ ने इस बातचीत में स्वीकार किया था कि उन्होंने शुरुआत में लगभग पूरा लाहौर शहर भारत के हिस्से में दे दिया था क्योंकि लाहौर में हिंदू और सिख बहुसंख्यक थे। लेकिन बाद में उन्हें यह एहसास हुआ कि यदि लाहौर भी भारत को दे दिया गया तो पाकिस्तान के पास कोई भी बड़ा शहर नहीं बचेगा। इसी सोच के कारण उन्होंने अंतिम समय में अपना फैसला बदल दिया और लाहौर को पाकिस्तान के नक्शे में शामिल कर दिया। रेडक्लिफ के पास इस जटिल काम को पूरा करने के लिए केवल पांच से छह सप्ताह का ही समय था, जो इस भयंकर भूल का एक बड़ा कारण बना। विभाजन केवल धरती या नक्शे का नहीं था, बल्कि यह हर उस चीज का था जिसे बांटा जा सकता था। यह प्रक्रिया कई बार बहुत हास्यास्पद भी हो गई थी। दोनों देशों के बीच अचल संपत्तियों के साथ-साथ सरकारी कार्यालयों के फर्नीचर, लाइट बल्ब और स्टेशनरी तक का बंटवारा हुआ था। दफ्तरों में कर्मचारी अपने सबसे अच्छे टाइपराइटर छिपाने लगे थे। पुस्तकालयों में रखे गए विश्वकोशों और शब्दकोशों को भी बीच से फाड़ दिया गया, जिसमें अंग्रेजी वर्णमाला के ए से लेकर के तक के अक्षर वाले पन्ने भारत को मिले और बाकी के पन्ने पाकिस्तान के हिस्से में चले गए। संपत्ति और खजाने के बंटवारे ने भी दोनों देशों के बीच भारी विवाद खड़े किए थे। समझौते के तहत भारत को नकद शेष राशि के रूप में पाकिस्तान को पचहत्तर करोड़ रुपये देने थे, जिसमें से

बीस करोड़ रुपये तुरंत दे दिए गए थे और शेष राशि पर लंबा विवाद चला था। सेना के बंटवारे में दो लाख साठ हजार सैनिकों ने भारतीय सेना को चुना और एक लाख चालीस हजार सैनिक पाकिस्तान चले गए। भारत के वायसराय की सोने और चांदी से जड़ी बारह बगिचयों का बंटवारा सिक्का उछाल कर किया गया था।

वहीं, वन विभाग के स्वामित्व वाली जॉयमनी नाम की एक कीमती हथिनी को लेकर भारी विवाद हुआ और अंततः पूर्वी बंगाल के हिस्से में गई। विभाजन के दौरान हुए विस्थापन ने मानवता को पूरी तरह से शर्मसार कर दिया था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार उस समय

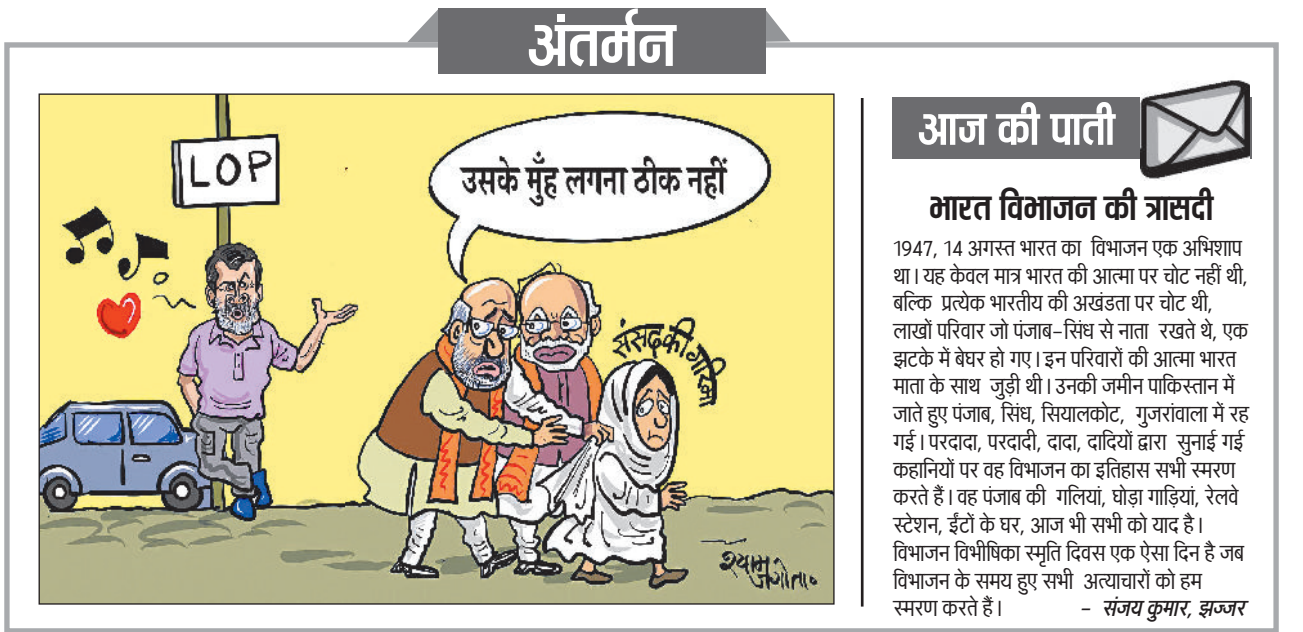


हरियाणा-पंजाब में 65 शरणार्थी शिविर लगे थे, मगर तत्कालीन पुनर्वास मंत्रालय इस संख्या को अधूरी मानता था। यदि शिविरों की पहली पंक्ति पर दृष्टि डाली जाए तो प्रमुख शिविरों में नीलोखंडी (कुरुक्षेत्र), कैथल, करनाल, बलदेव नगर कैम्प (अम्बाला शहर), समालखा (पानीपत), सोनीपत, राजपुरा और फाजिल्का (पंजाब) के साथ-साथ दिल्ली के किंस्ववे कैम्प और पुराना किला शामिल थे। इन शिविरों में वितरित राशन, टेंट-वस्त्रों आदि का पूरा विवरण मिल पाना आज भी संभव नहीं है। इस विस्थापन में महिलाओं ने सबसे अधिक और खौफनाक पीड़ा झेली। यह प्रश्न भी अभी तक अनुत्तरित है कि सीमा पर लापता महिलाओं के लिए जो शिविर लगाए गए थे, वहां दर्ज लापता महिलाओं की संख्या कितनी थी। यह आंकड़े 85 हजार तक जाते हैं, मगर मूडुला साराभाई व उनके कुछ सहयोगी यह भी मानते थे कि यह आंकड़ा लाखों में है और लाखों लापता महिलाओं के विवरण मिल ही नहीं पाए।

लाहौर शहर, जो कभी पूरे भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक हुआ करता था, वह एक झटके में भारत से अलग हो गया। ऐतिहासिक

गुरु लोक-परलोक दोनों को सुधारता है

यूं ही नहीं, गुरु के महत्व के बारे में समस्त नीति शास्त्र एवं विभिन्न ग्रंथों में बखान किया गया है। गुरु व्यक्ति की रक्षा करता है तथा सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। शिष्य के लिए परमात्मा के समान ही गुरु नहीं है, बल्कि साक्षात परमात्मा ही हैं। अमर शिष्य गुरु के प्रति पूर्ण समर्पित हो, तो गुरु के मार्गदर्शन से शिष्य का जीवन रूपांतरित हो जाता है। मनुष्य का जीवन पुरस्कीय ज्ञान के साथ-साथ सही मार्गदर्शन और अनुभव से रूपांतरित होता है। गुरु शिष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानकर उन्हें जागृत करते हैं। गुरु के सान्निध्य में शिष्य के विचार, व्यवहार, दृष्टिकोण में धीरे-धीरे परिवर्तन आने लगता है। जहां पहले शिष्य के मन में अहंकार, भ्रम, भय, अस्थिरता थी, वहीं गुरु के मार्गदर्शन से विनम्रता, आत्मविश्वास आदि का विकास होता है। कबीर कहते हैं कि, यदि समस्त पृथ्वी को कागज, जंगलों को लेखनी और सारे समुद्र को लिखने वाली स्याही बनाकर गुरु के गुणों का वर्णन करना चाहूं तो भी उसके अनंत गुण लिखे नहीं जा सकते हैं। सब धरनी कागद करूं लेखनि सब बनगय। सात समुंद्र की मसि करूं गुरुनू लिखा न जाए। गुरु की प्रशस्ति में कबीर का यह कथन भी इसी बात की पुष्टि करता है कि गुरु गोविन्द के समकक्ष ही नहीं, कुछ अधिक ही हैं। गुरु हैं बड़े गोविन्द ते, मन में देखु विचार। हरि सुमिरै सो बार है गुरु सुमिरै सो पार। यानी परमात्मा से केवल परलोक सुधरता है, परन्तु गुरु लोक-परलोक दोनों को सुधार देता है।



करंट अफेयर

मौत के मुंह से निकला दुर्लभ कछुआ, होगी घर वापसी

समुद्र की विशाल और अथाह दुनिया में कई बार तेज हवाएं और समुद्री तूफान बेजुबान जीवों को उनकी मंजिल से बहुत दूर भटका देते हैं। ऐसा ही कुछ हुआ केम्पस रिडले प्रजाति के रॉसी नाम के एक बेहद दुर्लभ समुद्री कछुए के साथ। दिसंबर 2023 में ब्रिटेन के वेल्स स्थित एंगलसी के रॉसेनग्र समुद्र तट पर यह कछुआ मरने की कगार पर मिला था। लेकिन, दो साल के लंबे और कठिन इलाज के बाद अब यह कछुआ पूरी तरह ठीक हो चुका है। अब इसे करीब 8,000 किलोमीटर का लंबा हवाई सफर तय करवाकर वापस उसके प्राकृतिक घर यानी मेक्सिको की खाड़ी भेजा जा रहा है। इस पूरे मामले की शुरुआत तब हुई थी, जब मेग नाम का एक कुत्ता अपने



मालिक के साथ समुद्र तट पर टहल रहा था। अचानक उसकी नजर एक अधमरे और जम चुके कछुए पर पड़ी। उस समय इस छिपे से कछुए की उम्र दो साल से भी कम थी और इसका वजन महज 1 किलोग्राम था। तेज हवाओं और समुद्री तूफानों के कारण यह कछुआ अपने गर्म पानी के प्राकृतिक आवास से भटक कर ब्रिटेन के बेहद ठंडे पानी में आ फंसा था। अत्यधिक ठंड के कारण यह कोल्ड-स्ट्रनिंग नाम की जानलेवा स्थिति का शिकार हो गया था, जिससे इसका पूरा शरीर सुन्न पड़ गया था।

विचार हरिभूमि 6

दस्तावेजों के अनुसार लाहौर को भगवान राम के पुत्र लव ने बसाया था और यहां के शाही किले में आज भी लव मंदिर के अवशेष मौजूद हैं। इसी तरह कसूर शहर भगवान राम के दूसरे पुत्र कुश के नाम पर बसाया गया था। आज भी यह सवाल उठता है कि हमारी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व धार्मिक विरासत से हमें क्यों काटा गया। क्या हमें सिंध के हिंगलाज माता मंदिर, मुल्तान के आदित्य मंदिर, पाक-पंजाब के कटासराज, लाहौर के जैन मंदिर व श्री ननकाना साहब, पंजा साहब आदि के दर्शनों से वंचित रखा जाना उचित है। विरासत का यह नुकसान यहीं नहीं रुका। लाहौर में मुग़ल बादशाह जहांगीर के समय के एक ईमानदार सरोंफ छज्जू राम भाटिया का प्रसिद्ध ‘छज्जू का चौबारा’ हुआ करता था जो सुफ़ी संतों और फकीरों का विश्राम स्थल था, वह अब खंडहर बन चुका है। लाहौर के गुमटी बाजार में स्थित सेठ बुलाकी शाह की हवेली भी कभी अपनी रौनक के लिए जानी जाती थी। इसी बाजार में मशहूर लेखिका अमृता प्रीतम का घर हुआ करता था, लेकिन दंगों की आग ने सब कुछ राख कर दिया। सिंधु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थल मोहनजोदड़ो और हड़प्पा पाकिस्तान के हिस्से में चले गए। वहां से प्राप्त दस दशमलव पांच सेंटीमीटर की नर्तकी की कांस्य मूर्ति आज भी दोनों देशों के बीच विवाद का विषय बनी हुई है। विभाजन विभीषिका दिवस हमें आत्ममंथन करने का एक बहुत बड़ा अवसर देता है। ऐसे में पहला प्रश्न यह है कि भारतीय इतिहास की इस भयावह त्रासदी के लिए जिम्मेदार कौन-कौन थे।

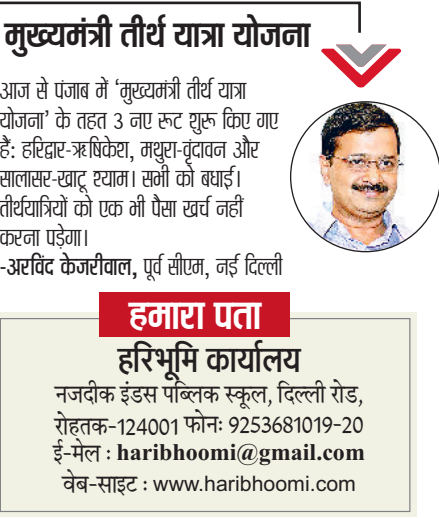
दूसरा प्रश्न यह है कि हमें शुरुआती दौर में विकृत इतिहास क्यों पढ़ाया जाता रहा, जहां जो घटनाओं के लिए खलनायक थे, उन्हें महानायक बनाकर क्यों पेश किया गया। इन सब सवालों के बीच हमें मुख्य शिविर स्थलों पर विभीषिका से जुड़े तथ्यों के संग्रहालय स्थापित करने होंगे ताकि आने वाली पीढ़ियां इस दर्द को समझ सकें। नई पीढ़ी के लिए हमें उस काल की जुझारू पीढ़ी का पूरा विवरण एकत्र करना होगा जो लुटे-पिटे खाली हाथ आए थे। जिन्होंने पानीपत, सोनीपत, अम्बाला, करनाल व दिल्ली आदि स्थानों पर सफलता के लिए सोपान रचे। वे शरणार्थी का चोगा उतार कर पुरुषार्थी बने और उन्होंने नया भारत रचा। ऐसी प्रामाणिक जानकारी नई पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा की मणाल बनेगी। शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारा ही उस विभीषिका का सच्चा समाधान है और इसी मार्ग पर चलकर हम अपने राष्ट्र को एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा सकते हैं।

(लेखक कविष्ट रत्नकमर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

जल्दबाजी में कोई राय नहीं बनानी चाहिए

गौतम बुद्ध अपने शिष्यों को अलग-अलग घटनाओं की मदद से भी उपदेश दिया करते थे। उनके शिष्यों में से एक शिष्य ऐसा भी था जो किसी से ज्यादा बोलता नहीं था। वह सिर्फ अपने काम पर ही ध्यान देता था। काम पूरा होने के बाद वह एकांत में चला जाता और ध्यान में बैठ जाया करता था। कुछ शिष्यों ने गौतम बुद्ध से एकांत में रहने वाले इस शिष्य की शिकायत कर दी। जब धीरे-धीरे उस शिष्य की बुराई ज्यादा होने लगी, तब बुद्ध ने सोचा कि उससे बात करनी चाहिए। एक दिन उस शिष्य से बुद्ध ने पूछा, ‘तुम अन्य शिष्यों से ऐसा व्यवहार क्यों करते हो? सभी शिष्य तुम्हारी शिकायत कर रहे हैं।’ शिष्य ने ध्यान से महात्मा बुद्ध की बात सुनी, फिर क्षमा प्रार्थना के स्वर में उनसे बोला, ‘तथागत, मैंने यह तय किया है कि जब तक आप यहां हैं, मैं आपसे एकांत और मौन का महत्व समझ लूं। आपके बाद मुझे इन बातों को कोई और कैसे समझाएगा?’ उस शिष्य की ये बातें सुनकर बुद्ध को भी आश्चर्य हुआ। वह उसका आशय तो तत्काल समझ गए, उसकी साधना और लगन की गहराई से प्रभावित भी हुए, लेकिन उससे कुछ और नहीं बोले। उसके जाने के बाद बुद्ध ने अन्य शिष्यों को समझाया, ‘तुम सबने इस एकांतप्रिय शिष्य की गलत शिकायत की है। तुम लोगों ने उसे जाने बिना उसके बारे में अपनी गलत राय बना ली। तुमने देखा कुछ और, समझा कुछ और। हमें किसी भी व्यक्ति के लिए जल्दबाजी में कोई राय नहीं बनानी चाहिए। पहले उस व्यक्ति से मिलें, उसकी गतिविधियों को देखें।



जापान के नागोया में खेला जाएगा मुकाबला

एशियाई खेल 2026: शुरुआती मुकाबलों में नहीं होगी भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत



एजेसी ► नई दिल्ली

जापान के नागोया में होने वाले एशियाई खेल 2026 में भारतीय क्रिकेट टीम और पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबला शुरुआती चरण में देखने को नहीं मिलेगा। दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमों को अलग-अलग क्वार्टर फाइनल ग्रुप में रखा गया है। ऐसे में ग्रुप चरण में इस बार दोनों के बीच टक्कर नहीं होगी। दोनों टीमों के फाइनल या पदक मुकाबले में पहुंचने पर

ही आमना-सामना संभव होगा। इससे प्रतियोगिता में इस बहुप्रतीक्षित भिड़ंत को लेकर रोमांच बना रहेगा। भारतीय टीम को एशियाई खेलों में सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली है। भारत के अलावा पाकिस्तान, बांग्लादेश क्रिकेट टीम और श्रीलंका क्रिकेट टीम को भी सीधे अंतिम-8 में प्रवेश मिला है। बाकी 6 टीमों को ग्रुप चरण के जरिए पहुंचना होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को क्वार्टर फाइनल-2 में रखा गया है, जबकि पाकिस्तान क्वार्टर फाइनल-1 में खेलेगा।

सेमीफाइनल में भी टक्कर होना मुश्किल

भारत और पाकिस्तान के बीच एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में भी टक्कर मुश्किल होगी। सेमीफाइनल के ड्रा के मुताबिक, क्वार्टर फाइनल-2 की विजेता टीम का सामना क्वार्टर फाइनल-3 की विजेता से पहले सेमीफाइनल में होगा। वहीं, क्वार्टर फाइनल-1 की विजेता टीम दूसरे सेमीफाइनल में क्वार्टर फाइनल-4 की विजेता से मिलेगी। इस तरह भारत और पाकिस्तान अलग-अलग सेमीफाइनल में रहेंगे। दोनों चिर प्रतिद्वंद्वियों की भिड़ंत अब केवल फाइनल या पदक मुकाबले के चरण में ही संभव होगी।

महिला टीमों भी इसी प्रारूप से खेलेंगी



महिला टीमों के मैच में भी यह प्रारूप अपनाया गया है, हालांकि इसमें 10 की जगह 8 टीमों हिस्सा लेंगी। एशियाई खेल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आयोजित होंगे, जबकि क्रिकेट मुकाबले 17 सितंबर से शुरू होंगे। महिला क्रिकेट के मैच पहले खेले जाएंगे और इसका फाइनल 22 सितंबर को होगा। इसके बाद पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू होगी। पुरुषों का फाइनल 3 अक्टूबर को होगा। क्रिकेट मुकाबले एशियाई खेलों के आधिकारिक कार्यक्रम से पहले ही शुरू हो जाएंगे।

दोनों टीमों अगर सेफा में हारती हैं तो क्या होगा

भारत और पाकिस्तान को टूर्नामेंट में पहली और दूसरी वरीयता मिली है। इसलिए दोनों टीमों का सामना क्वार्टर फाइनल या सेमीफाइनल में नहीं होगा। अगर दोनों टीमों अपने-अपने मुकाबले जीतकर फाइनल में पहुंचती हैं तो वहां भारत-पाकिस्तान की टक्कर देखने को मिलेगी और मुकाबला स्वर्ण पदक के लिए होगा। वहीं, अगर दोनों टीमों सेमीफाइनल में हार जाती हैं तो वे कांस्य पदक के लिए आमने-सामने आ सकती हैं। यानी दोनों के बीच मुकाबला सिर्फ पदक के लिए ही संभव है।



सेमीफाइनल से बाहर हुए तन्वी और सूरज

कोलकाता। भारत की शीर्ष वरीय महिला खिलाड़ी तन्वी शर्मा और पुरुष खिलाड़ी सूरज कुमार चंद बृहस्पतिवार को यहां स्क्वाश चैलेंजर टूर के सेमीफाइनल में हारकर बाहर हो गए। तन्वी को मिश्र की तीसरी वरीय सोहायला हजेम ने 11-6, 2-11, 7-11, 7-11 से शिकस्त दी जबकि पुरुषों के चौथे वरीय सूरज को मिश्र के शीर्ष वरीय मोहम्मद गोहर ने 11-8, 11-2, 11-7 से मात दी। शुक्रवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में मिश्र की सोहायला महिला खिताब के लिए हमवतन दूसरी वरीय मेन्ना वालिद से भिड़ेंगी जबकि गोहर पुरुष खिताब के लिए तीसरे वरीय सेफ रेफे से मुकाबला करेंगे।

वनडे वर्ल्ड कप 2027 के नए फॉर्मेट पर विवाद



एजेसी ► नई दिल्ली

अगले वर्ष 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के नए फॉर्मेट को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स क्रिकेट बोर्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के सामने फॉर्मेट और क्वालिफिकेशन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए हैं। दोनों बोर्डों की आईसीसी अधिकारियों के साथ दो बार बैठक भी हो चुकी है, लेकिन करीब दो सप्ताह बीतने के बावजूद उन्हें अपने सवालों का स्पष्ट जवाब नहीं मिला है।

2027 वर्ल्ड कप में 14 टीमों होगी

आगामी वनडे वर्ल्ड कप में टीमों की संख्या बढ़ाकर 14 करने का फैसला किया गया है। हालांकि, नए प्रारूप में एसोसिएट देशों के लिए टूर्नामेंट के मुख्य चरण तक पहुंचने की प्रक्रिया को लेकर चिंता जताई जा रही है। स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स का मानना है कि प्रस्तावित व्यवस्था छोटे क्रिकेट देशों के लिए मुश्किलें बढ़ा सकती है। नए फॉर्मेट के अनुसार मुख्य टूर्नामेंट से पहले एक सुपर सीरीज खेली जाएगी। इसमें 12वें, 13वें और 14वें स्थान पर रहने वाली टीमों आमने-सामने होंगी।

आईसीसी के जवाब का इंतजार

दोनों क्रिकेट बोर्ड इस मामले में आईसीसी से फॉर्मेट और क्वालिफिकेशन प्रक्रिया को लेकर विस्तृत जानकारी चाहते हैं। बैठक होने के बावजूद अब तक स्पष्ट जवाब नहीं मिलने से उनकी चिंता बढ़ी है। ऐसे में 2027 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले फॉर्मेट को लेकर और चर्चा होने की संभावना है। वर्ल्ड कप में टीमों की संख्या बढ़ाने का उद्देश्य क्रिकेट को ज्यादा देशों तक पहुंचाना है, लेकिन अगर क्वालिफिकेशन प्रक्रिया एसोसिएट टीमों के लिए ज्यादा कठिन बनती है, तो आईसीसी के सामने प्रतिस्पर्धा और समान अवसर के बीच संतुलन बनाए रखने की चुनौती होगी।

शानदार प्रदर्शन

भारत राष्ट्रमंडल तलवारबाजी का 'ओवरऑल' चैंपियन बना



एजेसी ► नई दिल्ली

भारत ने नाइजीरिया के लागोस में आयोजित राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 'ओवरऑल' चैंपियन का खिताब अपने नाम किया जिसमें देश के खिलाड़ियों ने कुल 35 पदक जीते। भारतीय तलवारबाजों ने अंडर-23 और सीनियर वर्ग की प्रतियोगिताओं में मिलाकर 13 स्वर्ण, आठ रजत और 14 कांस्य पदक हासिल किए। प्रतियोगिता के चौथे दिन सीनियर भारतीय तलवारबाजों ने छह स्पर्धाओं में से पांच स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने पुरुष सेबर, महिला सेबर, पुरुष एपी, महिला

एपी और महिला फॉयल स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते जबकि पुरुष फॉयल में रजत पदक अपने नाम किया। भारत ने इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर भारत ने 'विल्किन्सन स्पोर्ट्स ट्रॉफी' भी जीती। यह ट्रॉफी राष्ट्रमंडल तलवारबाजी महासंघ द्वारा उस देश को दी जाती है जिसका पूरे टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहता है। भारतीय तलवारबाजी संघ के महासचिव राजीव मेहता ने एक बयान में कहा, "पहली बार राष्ट्रमंडल 'ओवरऑल' चैंपियनशिप का खिताब जीतना भारतीय तलवारबाजी में मौजूद प्रतिभा, अनुशासन और खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत का प्रमाण है।

चोपड़ा व गोपीचंद ने की आईएससीआई की शुरुआत



विज्ञान, खेल शिक्षा, तकनीक और करियर विकास जैसे क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा जिससे कोच को उच्च प्रदर्शन वाले खेलों की बदलती जरूरतों से निपटने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल मिल सके।

ब्राजील से मैत्री मैच

भारत ने आसियान कप से वापस लिया नाम



एजेसी ► नई दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के उप महासचिव एम सत्यनारायण ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत ने अक्टूबर में पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील के खिलाफ होने वाले हाई-प्रोफाइल अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच को प्राथमिकता देते हुए पहले फीफा आसियान कप से नाम वापस ले लिया है। भारत के आगामी टूर्नामेंट से हटने का मतलब यह भी है कि वह फीफा से मान्यता प्राप्त इस प्रतियोगिता में दक्षिण-पूर्व एशिया की कुछ प्रमुख टीम के

खिलाफ खेलने का मौका गंवा देगा। सत्यनारायण ने कहा, 'हमने फीफा आसियान कप से नाम वापस ले लिया है क्योंकि हम ब्राजील और फीफा आसियान कप दोनों में नहीं खेल सकते।' पहली बार आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में भारत को गैर आसियान प्रतिभागियों में से एक के तौर पर आमंत्रित किया गया था। भारत ने शुरुआत में फीफा के इस नए टूर्नामेंट में भाग लेने का निमंत्रण स्वीकार किया था। बाद में उसे डिवीजन-एक के ग्रुप ए में इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर के साथ रखा गया था।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

“भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के माध्यम से देश के बंटवारे की त्रासदी को याद कर रहा है। यह हमारे इतिहास के उस दुखद अध्याय के दौरान असंख्य लोगों द्वारा झोले गए दुख और पीड़ा को स्मरण करने का दिन है।”

- नरेन्द्र मोदी

राज्य स्तरीय कार्यक्रम

(मुख्य अतिथि)

श्री नितिन नबीन

राज्य सभा सांसद

(अध्यक्षता)

श्री नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री, हरियाणा

श्री मनोहर लाल

केन्द्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी मामले, मंत्री

दिनांक - 14 अगस्त, 2026 | समय - दोपहर 12:00 बजे

स्थान - महाराणा प्रताप स्वरूप जयंती पार्क (ओपन पार्किंग एरिया), सेक्टर 29, गुरुग्राम

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा

www.pharyana.gov.in | Follow us on [social media icons] @diprharyana

3 समस्या निवारक आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स

Helps in:

- **BURNING**
- **DRYNESS**
- **IRRITATION**

10 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों जैसे-गुलाब, हरड़, बेहेड़ा, आंवला, हल्दी, तुलसी, पुनरनवा, पुदीना, सुहागा इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्रा प्लस' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आंखों में होने वाली समस्याओं जैसे आंखों की थकान, आंखों का सूखापन, आंखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल बनाने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आंखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

AYURVEDIC EYE RELIEF DROPS

24x7 Helpline: 8196822222
www.eyemantra.com



आँखों की थकान दूर करने का आसान समाधान

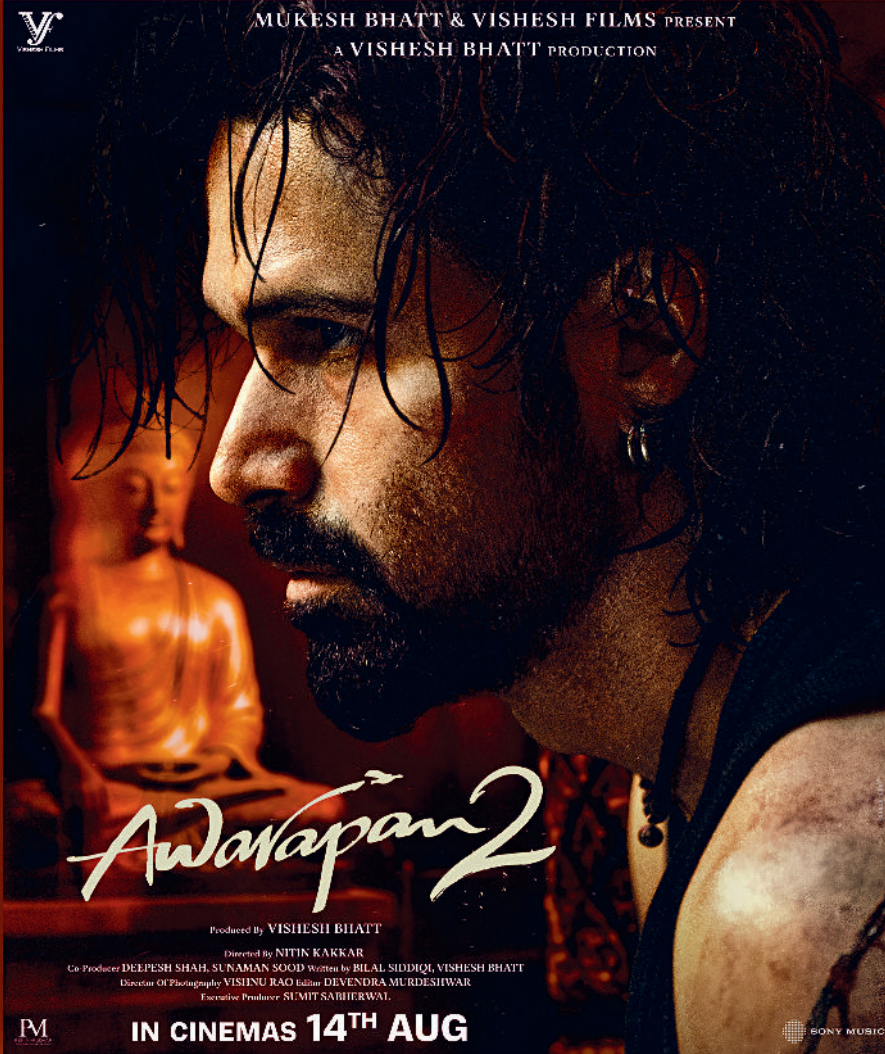
प्रयोग विधि:
2 से 3 ड्रॉप्स दिन में तीन बार या चिकित्सकीय परामर्शानुसार इस्तेमाल करें।



कोलकाता। कोलकाता के सरकारी
आर जी कर अस्पताल में 2024 में
एक महिला प्रशिक्षु चिकित्सक की
दुष्कर्म के बाद
हत्या के पश्चात
पीडिता के शव
का 'जल्दबाजी
में अंतिम
संस्कार' कराने
के आरोप में तुणभूल कांग्रेस के पूर्व
विधायक रहे निर्मल घोष को
बुद्धपतिवार को ओडिशा से गिरफ्तार
कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी
दी। पुलिस ने बताया कि पानीहाटी के
पूर्व विधायक घोष को सबूत मिलाने,
आपराधिक साजिश रचने और किसी
को उसकी मर्जी के खिलाफ काम
कराने के लिए मजबूर करने के आरोप
में गिरफ्तार किया गया है।



MUKESH BHATT & VISHESH FILMS PRESENT
A VISHESH BHATT PRODUCTION



Awarapan 2

Produced By VISHESH BHATT

Directed By NITIN KAKKAR

Cin Producer DEEPAK SHAH, SUNAMAN SOOD, Written by BILAL SHUDDH, VISHESH BHATT

Director Of Photography VISHNU RAO, Editor DEVENDRA MURDRESHWAR

Executive Producer SUMIT SAMHERWAL

IN CINEMAS 14TH AUG

PM 100

SONY MUSIC

Dr. Juneja's

Dr. Ortho[®]

ORTHOPAEDIC
MATTRESS &
PILLOWS

DR. ORTHO PREMIUM
Mattress

MRP: ₹ **20800/-**



DR. ORTHO REGULAR
Mattress

MRP: ₹ **12489/-**



Contact For Dealership: 85588 07777 • dealership@divisa.in